Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–6008

PAPER–III

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN & PEACE STUDIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **48** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN AND PEACE STUDIES

बौद्ध, जैन, गांधीवादी एवं शान्ति अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein and *according to their major specialization/elective only.***

नोट : यह प्रश्न-पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये *विस्तृत निर्देशों के अनुसार और केवल अपने विशेष* प्रमुख विषय के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Read the given passage carefully and answer the under noted 5 (five) questions each in 30 words.

(Common to all specializations.)

Satyagraha, in practice, is a method for resolving conflict. Traditionally, conflict between opposed parties is "resolved" only by the acknowledged dominance of one antagonist over the other. The assumption is that one side can succeed only at the expense of the other. Success may come by reason or persuasion, by threat or blackmail, or by force, but in any case the assumption is the same: if there is to be a winner, there must be a loser. Even compromise rests on this assumption, since in a compromise one side attempts to get as much as it can at the expense of the other, compromising only to the extent it is forced by circumstances to do so.

Satyagraha challenges this assumption. Rather than trying to conquer the opponent or to annihilate his claims, satyagraha tries to resolve the sources of conflict. As Gandhi states succinctly, it "seeks to liquidate antagonisms but not the antagonists themselves." This point is critical, since it quickly distinguishes satyagraha from other social action methods which merely attempt to gain self-invested ends. The purpose of satyagraha is not the redress of grievances; these are incidental to its ultimate aim, which is to resolve the underlying sources of conflict, the enmity, the distrust. Satyagraha seeks to resolve conflict by persuading the adversary of the common value of its nonviolent vision, that he-we-have much more to gain in harmony than in discord. Bringing about this conversion in an opponent is always a primary aim of satyagraha, even though its actual methods may vary with circumstances.

दिये गए अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में प्रति उत्तर लिखिए।

(यह अनुच्छेद सभी प्रमुख विषयों के परीक्षार्थियों के लिए समान है।)

व्यवहार में सत्याग्रह विवाद को हल करने का एक तरीका है। परम्परा से दो विपरीत दलों के विवाद को इसी से हल किया जाता है कि एक दल इसके शत्रु के दबाव को स्वीकार करे। मान्यता यह है कि एक पक्ष दूसरे पक्ष के त्याग पर ही सफल हो सकता है। यह सफलता किसी तर्क से, समझाने से, धमकी या ब्लैकमेल या बल प्रयोग से मिलती है, किन्तु सभी मामलों में मान्यता वही रहती है कि यदि कहीं कोई विजेता है तो वहाँ पर कोई हारनेवाला भी है। समझौता भी इसी मान्यता पर निर्भर है। समझौते द्वारा एक पक्ष जितना अधिक पाने का प्रयास करता है, उतना ही दूसरे पक्ष को त्याग करना पड़ता है। अत: समझौता उसी हद तक होता है, जितना कि परिस्थितियाँ वैसा करने को विवश करती हैं। सत्याग्रह न केवल इस मान्यता को चुनौती देता है, अपितु विरोधी को जीतने का प्रयत्न करता है, अथवा उसकी दावेदारी को समाप्त करता है। सत्याग्रह विवाद के मूल कारणों को मिटाता है। जैसे कि गान्धीजी जोर देकर कहते हैं कि सत्याग्रह शत्रुता को समाप्त करने की कोशिश करता है, किन्तु शत्रु को नहीं। यह बिन्दु विचारणीय है। क्योंकि यह सत्याग्रह को उन सामाजिक विवादों को हल करने वाले तरीकों से विशिष्ट बनाता है, जो केवल अपने निजी उद्देश्यों की प्राप्ति का प्रयत्न करते हैं। सत्याग्रह की उद्देश्य मात्र शिकायतों को कम करना ही नहीं है, यह तो उसके सर्वोच्च लक्ष्य में निहित ही है, जो विवाद के मूलभूत स्त्रोतों को, शत्रुता को, और अविश्वास को कम करता है। सत्याग्रह अहिंसक दृष्टि के सामान्य मूल के विरोधी को समझा-बुझा कर विवाद को मिटाने का मार्ग खोजता है, जो सामंजस्य की प्राप्ति में वह अथवा हम पाते हैं, शत्रुता में नहीं। विरोधी में यह परिवर्तन लाना ही हमेशा सत्याग्रह का लक्ष्य रहा है। यद्यपि इसके प्रयोगात्मक तरीके परिस्थितियों के कारण भिन्न हो सकते हैं।

1. What is Satyagraha ? Define it.

सत्याग्रह क्या है? उसकी परिभाषा दें।

2. What are the traditional assumptions to achieve success ? Discuss.

सफलता प्राप्त करने की परम्परागत मान्यताएँ क्या हैं? विवेचन कीजिए।

3. How is the Satyagraha different from other methods of conflict resolution ? Explain.

विवाद हल करने के अन्य तरीकों से सत्याग्रह कैसे भिन्न है? स्पष्ट करें।

4. What is the purpose of Satyagraha ? Discuss.

सत्याग्रह का प्रयोजन क्या है? विवेचन करें।

5. How does Satyagraha resolve conflict ? Explain.

सत्याग्रह, विवाद को कैसे हल करता है? स्पष्ट करें।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

6. The Buddha's father belonged to the Sākya family. Why was the family called 'SĀKYA'? Discuss.
बुद्ध के पिता शाक्य वंश के थे। उस परिवार का नाम 'शाक्य' क्यों पड़ा? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

Write a short note on Lord Mahavira.
भगवान् महावीर पर एक टिप्पणी लिखिए

OR / अथवा

Describe Putalibai's influences in the making of Gandhi.
गान्धीजी के निर्माण में पुतलीबाई जी के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

7. Who was Mahāpajāpati Gotamī ? How was she related with the Buddha ? Discuss.
महापजापति गोतमी कौन थी? बुद्ध के साथ उनका क्या संबन्ध था? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

What is the subject matter of the Uttarādhyayansutra ? Discuss.
उत्तराध्ययनसूत्र की विषयवस्तु क्या है? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

Why did Gandhi go to South-Africa for the first time ? Discuss.
दक्षिण अफ्रीका में गान्धीजी प्रथम बार किस लिए गये थे? विवेचन कीजिये।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

8. Why did Siddhartha renounce the world ? In this context, mention at least any two of the theories.
सिद्धार्थ ने महाभिनिष्क्रमण क्यों किया? इस विषय में किन्हीं दो सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिये।

OR / अथवा

Write a short note on the Tattvārthasūtra.
तत्त्वार्थसूत्र पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Define Gandhi's View of God.
ईश्वर के विषय में गान्धी विचार की परिभाषा दीजिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

9. Write a note on the second Buddhist Council.
द्वितीय बौद्ध संगीति पर टिप्पणी कीजिये।

OR / अथवा

Write the names of three major Institutes of Jainology and Prakrit.
जैनविद्या एवं प्राकृत के तीन प्रमुख संस्थानों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

"Non-Violence is superior to violence"- Comment.
''हिंसा से अहिंसा श्रेष्ठ है''। टिप्पणी कीजिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

10. Write the main features of the Dhammapada.
धम्मपद की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

OR / अथवा

What is the meaning of 'Asteya' in Jainism ?
जैनधर्म में 'अस्तेय' का क्या अर्थ है?

OR / अथवा

Define Gandhi's concept of Ram Rajya.
गान्धीजी की राम राज्य की अवधारणा को परिभाषित कीजिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

11. Write a note on Acharya Dharmakīrti.
आचार्य धर्मकीर्ति पर एक टिप्पणी लिखिये।

OR / अथवा

Write the names of six substances according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार छह द्रव्यों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

"The End justifies the Means"- Do you agree ?
''साध्य, साधनों को उचित ठहराता है''। क्या आप इस बात से सहमत हैं?

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

12. Define Samādhi.
समाधि की परिभाषा कीजिये।

OR / अथवा

Write a note on the Jain temples of Mount Abu.
माउन्ट आबू के जैन मंदिरों पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

What do you mean by spiritualization of politics ? Discuss.
राजनीति के अध्यात्मीकरण से आप क्या अर्थ लगाते हैं? विवेचन कीजिये।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

13. Write the names of all the four Noble Truths.
चार आर्य सत्यों के नाम लिखिये।

OR / अथवा

What are the four kinds of charity in Jainism ? Discuss.
जैन धर्म में चार प्रकार के दान कौन-से है? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

What are Gandhi's Views on Ideal Society ? Discuss.
आदर्श समाज के विषय में गान्धीजी के क्या विचार हैं? विवेचन कीजिये।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

14. Enumerate the steps of sanctification for the attainment of Arhat-hood.
अर्हत्त्व-प्राप्ति के लिये साधना की सीढ़ियों को गिनायें।

OR / अथवा

Write in brief what is the Syādavāda in Jainism.
जैनधर्म में 'स्याद्वाद' क्या है, संक्षेप में लिखिए।

OR / अथवा

What are Gandhi's Ashram Vows ? Explain.
गान्धीजी के आश्रम व्रत कौन से हैं? स्पष्ट कीजिये।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

15. Write a note on the Mathura Art.
मथुरा कला पर टिप्पणी लिखिये।

OR / अथवा

What is the meaning of 'Nirjarā' in Jainism ? Explain.
जैनधर्म में 'निर्जरा' का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिये।

OR / अथवा

What is meant by 'Nai Talim' ? Explain.
'नई तालीम' का अर्थ क्या है? स्पष्ट कीजिये।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

16. The women occupy a special place in the society according to the Buddha. Comment.
बुद्ध की दृष्टि में समाज में स्त्रियों के लिये विशेष स्थान है। टिप्पणी कीजिये।

OR / अथवा

What is the meaning of 'Śramaṇa' in Jainism ? Explain.
जैनधर्म में 'श्रमण' का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिये।

OR / अथवा

Define the concept of peace.
शान्ति की अवधारणा की परिभाषा दीजिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

17. Is varṇa–vyavasthā compatible with the tenets of Buddhism ? Discuss.
क्या वर्ण–व्यवस्था बौद्ध धर्म के अनुकूल है? टिप्पणी कीजिये।

OR / अथवा

Write a short note on Elora cave.
'एलोरा गुफा' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

What are the forms of Violence ? Explain.
हिंसा के स्वरूप कौन से हैं? स्पष्ट कीजिये।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

18. Did Ecology get support from the Buddha's teachings ? Comment.
क्या जैव-परिस्थिति-विज्ञान को बुद्ध की शिक्षाओं से समर्थन मिला? टिप्पणी कीजिये।

OR / अथवा

What is the meaning of 'Adharma' fundamental in Jainism ? Comment.
जैनधर्म में 'अधर्म' पदार्थ का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिये।

OR / अथवा

What is conflict resolution ? Explain.
संघर्ष समाधान क्या है? स्पष्ट कीजिये।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

19. The impact of Buddhism on the present day Indian society is very evident. Comment.
आधुनिक भारतीय समाज पर बौद्ध धर्म का प्रभाव स्पष्ट है। टिप्पणी कीजिये।

OR / अथव

What is the significance of Ācārāṅgasūtra ? Explain.
आचारांगसूत्र का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिये।

OR / अथवा

Enumerate a few significant peace movements in India.
भारत में कुछ महत्वपूर्ण शान्ति आन्दोलनों के नाम लिखिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

20. The Buddha is worshipped as an incarnation of Viṣḥnu by some Indians. Comment.
कुछ भारतीयों के द्वारा बुद्ध की पूजा विष्णु के अवतार के रूप में की जाती है। टिप्पणी कीजिये।

OR / अथवा

What is the subject matter of the 'Dravyasaṅgraha' ? Discuss.
द्रव्यसंग्रह की विषयवस्तु क्या है? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

What is Ecology ? Explain.
परिस्थिति-विज्ञान का अर्थ क्या है? स्पष्ट कीजिये।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

21. Write the story of the Buddha on the basis of the Tipiṭaka.
तिपिटक के आधार पर बुद्ध की जीवनी लिखिये।

OR / अथवा

Discuss the subject matter of the 'Aṣṭapāhuḍa'.
अष्टपाहुड़ की विषयवस्तु का विवेचन करें।

OR / अथवा

Describe Gandhi's Experiments of Satyagraha in South Africa.
दक्षिणी अफ्रीका में गान्धीजी द्वारा सत्याग्रह के सम्बन्ध में किए गए प्रयोगों का वर्णन कीजिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

22. Discuss the role of the Third Buddhist Council in propagation of Buddhism outside India.
भारत से बाहर बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में तीसरी बौद्ध संगीति की भूमिका का विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

Describe the nature of seven fundamentals of Jainism.
जैनधर्म के सात पदार्थों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Describe any significant event related to Gandhi's life from his Autobiography.
गान्धीजी के जीवन से सम्बन्धित कोई भी एक महत्वपूर्ण घटना जो उनकी आत्म-कथा में शामिल है, का वर्णन कीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

23. Write an essay on the Sutta Piṭaka.

सुत्तपिटक पर एक निबन्ध लिखिये।

OR / अथवा

Write a short note on 'Triratna' according to Jainism.

जैनधर्म के अनुसार 'त्रिरत्न' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

How did Gandhi solve the problem of strike of Labourers in Ahmedabad in 1918 ? Discuss.

1918 में अहमदाबाद में गान्धीजी ने मजदूरों की हड़ताल की समस्या को कैसे सुलझाया था? विवेचन कीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

24. Śila, Samādhi and Paññā (Prajñā) are the backbone of Buddhism. Comment.

शील, समाधि और प्रज्ञा बौद्ध धर्म की रीढ़ हैं। स्पष्ट कीजिये।

OR / अथवा

Write a short note on the statue of Gommaṭesh Bāhubalī.

गोम्मटेश बाहुबली पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

"Violence is better than Cowardice"- Comment.

''कायरता से तो हिंसा बेहतर है।'' टिप्पणी कीजिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

25. Write a detailed note on the Buddhist sculpture.
बौद्ध स्थापत्य पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिये।

OR / अथवा

Throw light on the position of women in Jainism.
जैनधर्म में नारी की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

In what way Gandhi's constructive programme is relevant in the present context ? Explain.
वर्तमान परिस्थितियों में गान्धीजी का रचनात्मक कार्यक्रम किस तरह से प्रासंगिक है? स्पष्ट कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

BUDDHIST STUDIES / बौद्ध अध्ययन

26. What is TILAKKHAṆA ? Discuss in detail.

'तिलक्खण' से आपका क्या तात्पर्य है? विस्तार से विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

In the context of the two dominant ideologies - Sā́s'vatavāda (Eternalism) and Ucchedavāda (Annihilationism) - during the time of the Buddha, why did the Buddha opt for neither of the two ? Discuss.

बुद्ध युग की दो प्रभावशाली विचारधाराओं, शाश्वतवाद और उच्छेदवाद के सन्दर्भ में बुद्ध ने उन दोनों को नकार दिया। विवेचन कीजिये।

JAINA STUDIES / जैन धर्म अध्ययन

Write an essay on the Non-violence and Anekāntavāda according to Jainism.

जैनधर्म के अनुसार अहिंसा और अनेकान्तवाद पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Discuss the significance of Ardhamāgadhī Jain canons.

अर्धमागधी जैन आगमों के महत्व की विवेचना कीजिए।

Are Gandhi's views on sarvadharma samabhava relevant and viable in the present context. Discuss.

आज के सन्दर्भ में सर्वधर्म समभाव के विषय में क्या गान्धीजी के विचार प्रासंगिक और व्यवहार्य हैं? विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

"As we sow so shall we reap", in the light of this statement examine Gandhi's theory of the relationship between Ends & Means.

''जैसा हम बोएंगे वैसा ही हम काटेंगे''। इस कथन को ध्यान में रखते हुए गान्धीजी के साध्य और साधनों के बीच सम्बन्ध के सिद्धान्त का परीक्षण कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....